International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 1, January 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मेरवाड़ा पर्यटन सर्किट का विकास एवं संभावनाएं :एक भौगोलिक अध्ययन

महेश कुमार

आर. के. पी.जी. महाविद्यालय बिसाऊ

सरांश

वर्तमान में पर्यटन मनोरंजन एवं ज्ञान अर्जुन का साधन मात्र रह गया ह प्राचीन काल से ही पर्यटन हमारी संस्कृति का भ्रमण व तीर्थाटन आदि रूप में महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है हमारा क्षेत्र अपने में अनेक विविधताओं को छुपाएं है
इस कारण यहां पर्यटन उद्योग विकसित करने के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए गए है और इस क्षेत्र में अनेक आकर्षण पर्यटन केन्द्रों का निर्माण हुआ है जो आज न केवल मेरवाड़ा पर्यटन स्थलों में प्रसिद्धि प्राप्त करने जा रहे है, बल्कि राजस्थान में भारत में भी अपना महत्व स्थान बनाते जा रहे है।

शब्द कुंजीः–
पर्यटन, ज्ञान अर्जुन, विविधता, आकर्षण, जलवायु, मनभावन, शस्त्रागार

परिचयः–

मेरवाड़ा राजस्थान में अनेकता में एकता वाला क्षेत्र है यहां अनेक धर्मो से संबंधित लोग निवास करते है।

भौगोलिक दृष्टि से मेरवाड़ा में अजमेर, पुष्कर, नागौर, मेड़ता, किशनगढ़ को शामिल किया जाता है। अजमेर अरावली पर्वतीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है नागौर मरूस्थल प्रदेश के अंतर्गत आता है जिसकी अक्षांश स्थिति 25 डिग्री 38 मिनट उत्तरी अक्षांश से 27 डिग्री 40 मिनट उत्तरी अक्षांश के मध्य तथा देशांतर विस्तार 37 डिग्री 18 मिनट पूर्वी देशांतर से 75 डिग्री 22 मिनट पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है।
अजमेर की स्थापना चौहान राजा अजय राज ने 1113 ईस्वी में अंग्रेजों के समय यह प्रशासन का महत्वपूर्ण केन्द्र रहा और इसे अजमेर–मेरवाड़ा के नाम से जाना जाता था नागौर जोधपुर रियासत का भाग था जिसे प्राचीन समय में अहिछत्रपुर के नाम से जाना जाता था।

मेरवाड़ा पर्यटन सर्किट में आये देशी व विदेशी पर्यटक 2010–2020

वर्ष	स्वदेशी पर्यटक			विदेशी पर्यटक			कुल पर्यटक		
	राजस्थान	मेरवाड़ा	प्रतिशत	प्रतिशत	राजस्थान	प्रतिशत	राजस्थान	मेरवाड़ा	प्रतिशत
2010	25543877	4550492	17.81	1278523	105413	8.2	26822400	4655905	17.35
2011	27137323	4758605	17.53	1351994	100658	7.44	28489297	4859263	17.05
2012	28611831	6076310	21.83	1451370	101516	6.99	30063201	6177826	20.54
2013	30298150	6901600	22.77	1437162	89369	6.21	31735312	6990969	22.02
2014	33076491	1480460	22.61	1525574	103672	6.79	34602065	7584132	21.91
2015	35187573	8332660	23.68	1475311	105917	7.17	36662884	8438577	23.01
2016	41495115	8557200	20.62	1513729	138763	9.16	43008844	8695963	20.21
2017	45916573	9287925	20.22	1609963	161078	10	47526536	9449003	19.88
2018	50235643	9189040	18.29	1754348	163234	9.3	51989991	9352274	17.98
2019	52220431	8858332	16.96	1605560	141622	8.82	53825991	8999454	16.72
2020	15117239	3706202	24.51	446457	35777	8.01	15563696	3741979	24.04

राजस्थान पर्यटन प्रगति प्रतिवेदन 2020–21

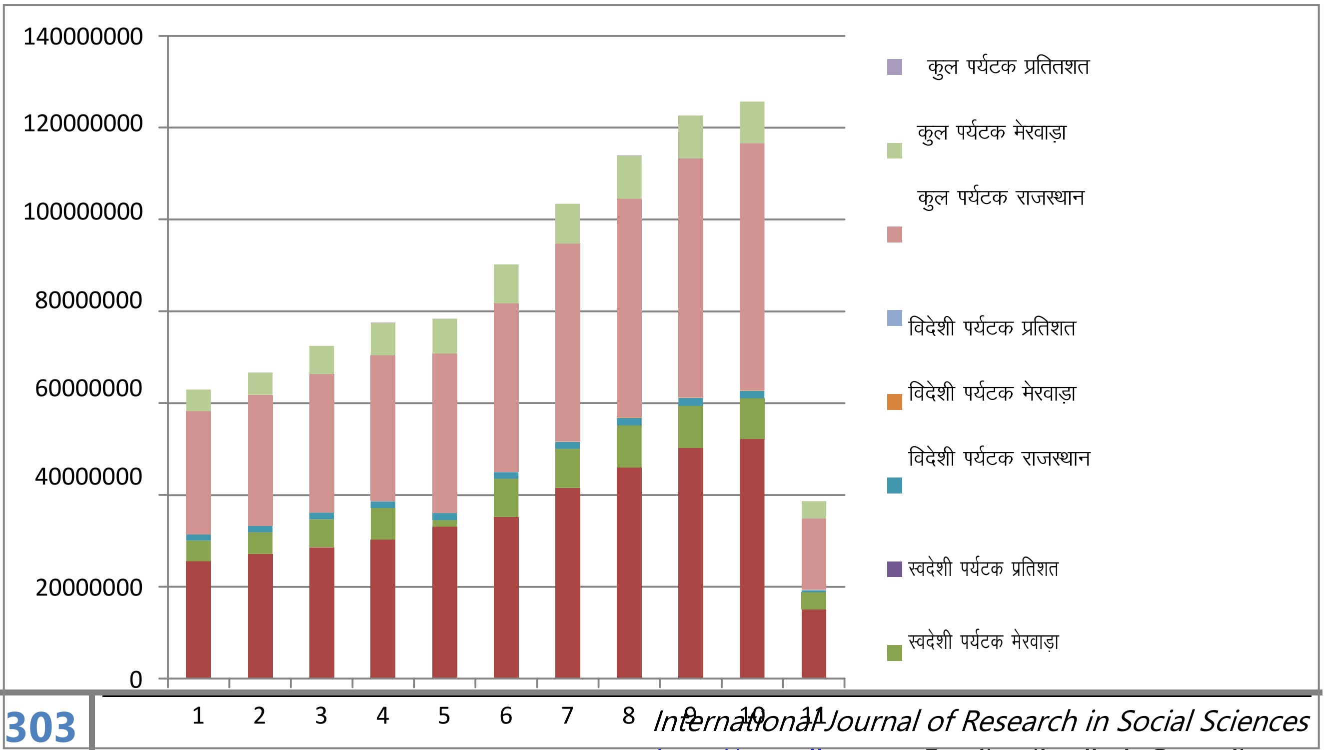

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 1, January 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2020 में मेरवाड़ा में आएं विभिन्न देशों से विदेशी पर्यटक

देश	ग्रेट ब्रिटेन	फ्रांस	इटली	कनाड़ा	यू.एस.. ए.	जर्मनी	आस्ट्रेलिया	स्वीटजरलेंड	जपान	पाकिस्तान	बांग्लादेश	अन्य
पर्यटकों की संख्या	3926	4056	1539	1960	4117	3487	2806	673	654	226	5072	14664

देश	ग्रेट ब्रिटेन	फ्रांस	इटली	कनाड़ा	यू. एस. ए.	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया	स्वीटजर लेंड	जापान	पाकिस्तान	बांग्लादेश	अन्य
राज.	54548	64025	18383	16866	49368	31985	25131	5062	8907	259	8053	163870
मेरवाड़ा	3926	4056	1539	1960	4117	348	2806	673	654	226	5072	14664

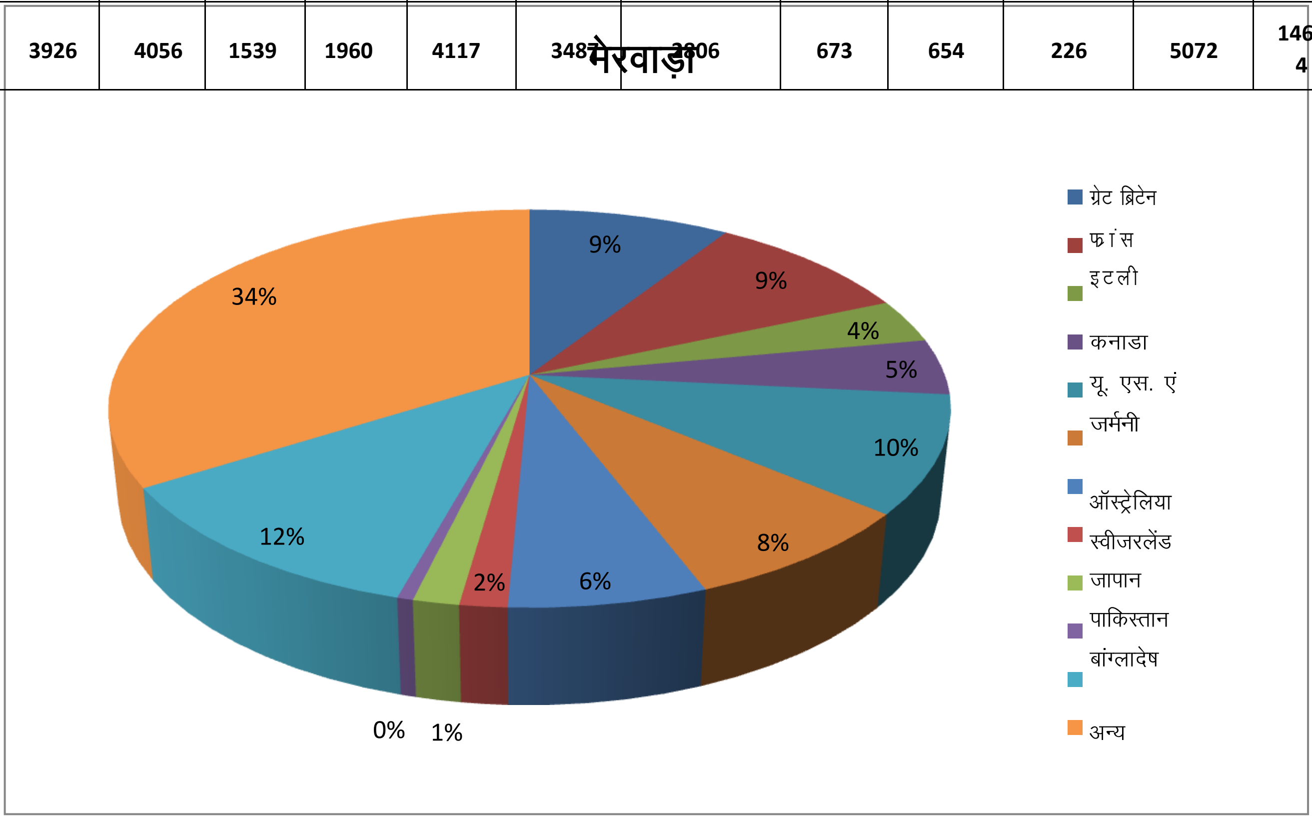

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 1, January 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राजस्थान पर्यटन प्रगति प्रतिवेदन 2020—21

2020 में मेरवाड़ा व राजस्थान में आए विदेशी पर्यटको का तुलनात्मक अध्यनन

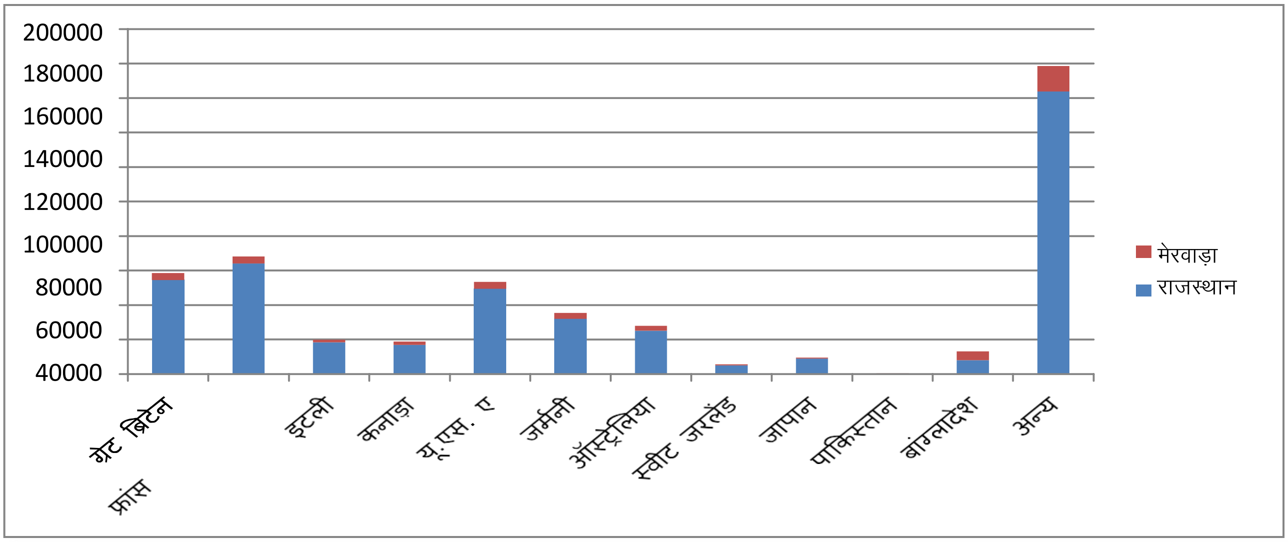

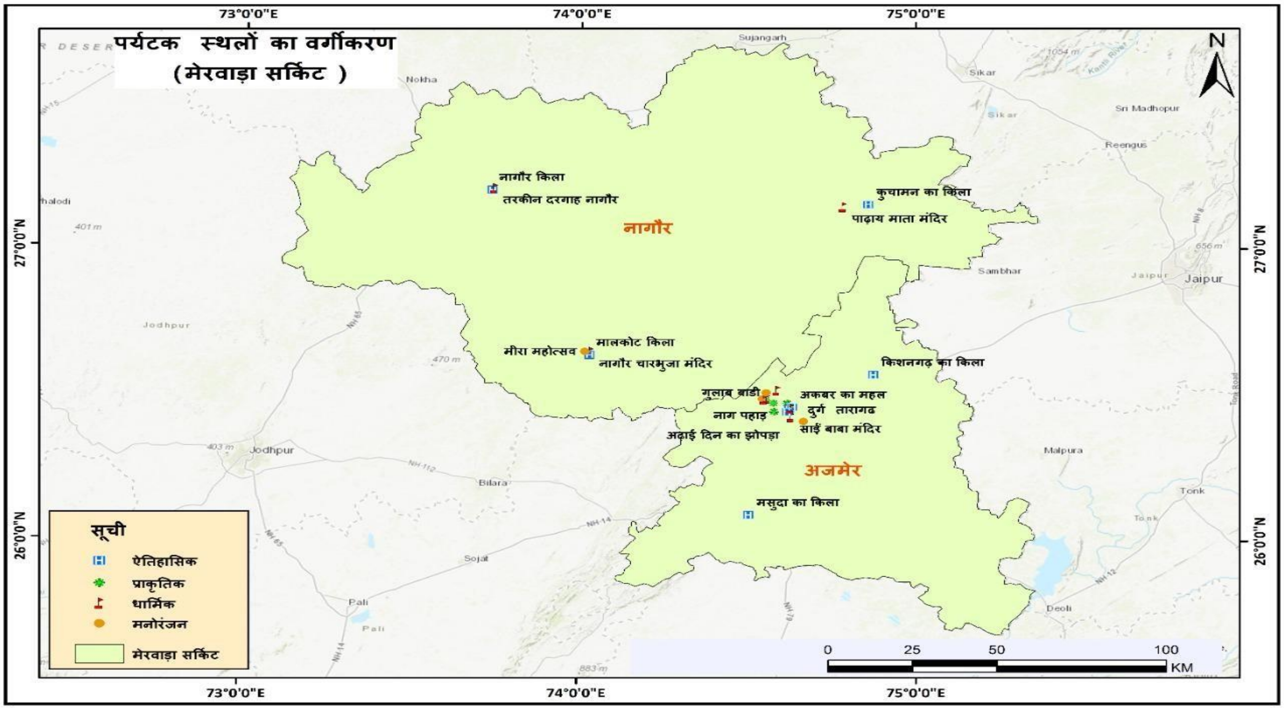

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 1, January 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मेवाड़ा के प्रमुख पर्यटक स्थलों में तारागढ़ दुर्ग, अकबर का किला, ढाई दिन का झोपड़ा, पुष्कर झील, वराह मंदिर, नागौर का किला, सोनी जी की नसिया, अन्ना सागर झील, फायसागर झील, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, तरकीन दरगाह, साई बाबा मंदिर आदि है।

- **पर्यटन को प्रभावित करने वाले तत्वः–**

- जलवायु
- प्राकृतिक सुंदरता
- मेले एवं त्यौहार
- हस्त शिल्प कला
- धार्मिक कारक
- वाइल्ड लाइफ
- ऐतिहासिक इमारते एवं स्मारक
- परिवहन सुविधा
- मनभावन मौसम

- **मेरवाड़ा के पर्यटन स्थलों को हम निम्न भागों में बॉट सकते है–**

❖ ऐतिहासिकः–

- तारागढ़ का किला
- अकबर का किला
- नागौर का किला
- राजकीय संग्रहालय
- सोनी जी की नसिया

❖ **धार्मिक**

- ख्वाजा मोइनूद्दीन चिस्ती दरगाह
- वराह मन्दिर
- पुष्कर सरोवर
- ब्रह्मा मन्दिर
- पाडाय माता मन्दिर

❖ **पर्वतीय मन्दिर**

- पृथ्वी राज स्मारक
- सावित्री मन्दिर
- चस्मा ए नूर
- सावित्री माता रोपवे

- **प्राकृतिक**
  - अन्नासागर झील
  - पुष्कर झील
  - फाय सागर
- **मनोरंजन**
  - पुष्कर मेला
  - बिड़ला सिटी वाटर पार्क

तारागढ़ का किला

चौहान शासक अजय राज द्वारा 2855 फीट ऊंची पहाड़ी पर निर्मित एक ऐतिहासिक दुर्ग जिसमें 9 दरवाजे है शाहजहां के एक सेनापति बीडल दास द्वारा 17 वीं सदी में इसकी मरम्मत कराई यहां धार्मिक दृष्टि से प्रसिद्ध मीर साहब की दरगाह स्थित है यह अरावली का अरमान भी कहलाता है।

अकबल का किला

मुगल सम्राट अकबर ने 1527 में इस किले का निर्माण करवाया राजस्थान में पूर्ण मुगल शैली का बना एकमात्र किला जिसमें अंग्रेजों ने शस्त्रागार बनाया इस लिए इसे मैगजीन दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है इसमें 4 बुर्ज है पूर्णत मुगल शैली में बना राजस्थान का एकमात्र दुर्ग वर्तमान में इस में ब्रिटिश कालीन राजपूताना संग्रहालय संचालित है।

नागौर का दुर्ग

इस दुर्ग का निर्माण विक्रम संवत 1211 ई. में सोमेश्वर चौहान के सामंत के मांस के द्वारा करवाया गया यह दुर्ग अमर सिंह राठौड़ की शौर्य कथाओं के लिए प्रसिद्ध है यहां आकर्षक भित्ति चित्र अलंकृत है तथा आकर्षक महल मोती महल, बादल महल, हवा महल आदि स्थित है।

पृथ्वीराज स्मारक

अजमेर के तारागढ़ रोड पर चौहान वंश के महानायक पृथ्वीराज चौहान का स्मारक. रोड पर चौहान वंश के महानायक पृथ्वीराज चौहान का स्मारक है जो साहस एवं देशभक्ति का प्रतीक माने जाने वाले महान योद्धा की काले संगमरमर की प्रतिमा 13 जनवरी 1996 को राष्ट्र को समर्पित किया।

सोनी जी की नसिया

सेठ मूलचंद सोनी द्वारा निर्माण शुरू किया गया तथा उनके पुत्र सेठ टीकम चंद सोनी द्वारा 1865 ई. में इसके निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया यह जैन मंदिर प्रथम जैन तीर्थकर आदिनाथ अथवा ऋषभदेव का है लाल रंग के कारण यह लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

राजकीय संग्रहालयः— अजमेर नगर में मध्य स्थित विशाल किला है जिसे मैगजीन दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है अकबर के शासन काल में 1570 ई. में इस किले का निर्माण करवाया गया था।

मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह

मोइनुद्दीन चिश्ती भारत में चिश्ती सिलसिला के संस्थापक थे यह दरगाह एक धार्मिक स्थल है यहां यह सांप्रदायिक सद्धाव के लिए जाने जाती है मुस्लिम धर्मा वलियों के प्रमुख तीर्थ मक्का के बाद दूसरा प्रमुख तीर्थ माना जाता है इसलिए भारत का मक्का कहा जाता है दरगाह का निर्माण इल्तुतमिश 1211 से 36 के मध्य प्रारंभ हुआ और उर्स पहली रज्जब से नीरज अब तक लगता है।

वराह मन्दिर

इस मन्दिर का निर्माण चौहान शासक अनुराज के द्वारा किया गया मेवाड़ नरेश मोकल ने इस मंदिर में सोने का तुलादान भी करवाया था।

पुष्कर सरोवर

नाग पर्वत एवं पुष्कर शहर के मध्य अर्धचंद्राकार रूप में पुष्कर सरोवर फैला हुआ है यहां 52 घाट बने हुए है जो हिंदुओं के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है 52 घाटों में से प्रमुख घाट वराह घाट, ब्रह्म घाट और गौ घाट सर्वाधिक पवित्र है।

ब्रह्मा मंदिर

भारत में ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर पुष्कर में स्थित है ब्रह्मा जी की प्रतिमा को शंकराचार्य ने स्थापित किया था मंदिर के भीतर चतुमुर्खी ब्रह्मा जी की मूर्ति स्थित है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है।

पाड़ाय माता मंदिरः– राजस्थान की खारी झिलों में प्रसिद्ध डीडवाना झील जो डीडवाना के मध्य स्थित है कुल्हरी समुदाय के साथ–साथ 127 जातियों की कुलदेवी जो धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

पर्यटन से मेरवाड़ा पर्यटन सर्किट में युवाओं को रोजगार प्राप्त हुए है तथा आर्थिक सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है। मेरवाड़ा पर्यटक सर्किटऐतिहासिक धार्मिक एवं सास्कृतिक दृष्टि से राजस्थान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जिस कारण से पर्यटक इस ओर आकर्षित हो रहे है। पर्यटन ने इस क्षेत्र में आर्थिक विकास किया है।

आधारभूत सुविधाओं का विकास होता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. **भल्ला आर. एस. – 1997 राजस्थान का भूगोल, अजमेर**
2. **गुर्जर** के. **सी.– 2007 राजस्थान में पर्यटन उद्योग की भूमिका एवं संभावनाएं**
3. **भारत पर्यटन आंकड़े एक झलक – 2020, नई दिल्ली**
4. **भारत पर्यटन आंकड़े एक झलक– 2020, नई दिल्ली**
5. **प्रगति प्रतिवेदन राजस्थान पर्यटन विभाग – 2019–20, जयपुर**
6. **प्रगति प्रतिवेदन राजस्थान पर्यटन विभाग– 2019–20, जयपुर**